आज दिनांक 11.07.2016 को समाहरणालय के सभाकक्ष में जिला स्तरीय पर्यटन संबर्धन समिति (DTPC) **की बैठक की कार्यवाही :–**

1. आज दिनांक 11.07.2016 को जिला स्तरीय पर्यटन संबर्धन समिति (DTPC) की बैठक में जिला स्तरीय पर्यटन संबर्धन समिति पदाधिकारी एवं समिति के सदस्य भाग लिए उनके उपस्थिति अलग पंजी में संधारित है।
2. उक्त बैठक में उपस्थित सदस्यों की सहमति के उपरांत पश्चिमी सिंहभूम, चाईबासा जिला अंतगर्त पर्यटन स्थलों का श्रेणीवार ढंग से चिन्हितीकरण किया गया। सदस्यों के अनुशंसा के आलोक में एवं राज्य सरकार के संकल्प संख्या पर्यटन/विविध 55/2014/1494/राँची दिनांक 26.08.2015 के आलोक में जिला स्थित पर्यटन स्थल का वर्गीकरण करते हुए,उक्त चिन्हित स्थलों के विकास हेतु प्रस्ताव निम्नवत प्रेषित किया जाता है:–

श्रेणी "A"

प्रखण्ड मझगाँव अन्तर्गत पर्यटन स्थल का विवरण

1. मझगाँव प्रखण्ड के खड़पोस के बेनीसागर ग्राम में प्रसिद्ध पुरातात्विक स्थल है। भारतीय पुरातात्विक सर्वेक्षण विभाग द्वारा अधिग्रहित यह स्थल 1500 वर्ष पुराना है जहाँ राजा बेणु का शासन था यहाँ 300 मीटर 300 X 300 मीटर का विशाल तालाब, मन्दिरों का प्रागण एवं सम्भवतः राज महल के आंशिक अवशेष उपलब्ध है।

2. पर्यटको की कुल संख्या साल में 10000 है।

3. उक्त स्थल में प्रतिवर्ष नवम्बर में माह में पूर्णिमा के दिन प्रसिद्ध मेले का आयोजन होता है।

4. यहां रात्रि विश्राम गृह का व्यवस्था नहीं है।

5. स्थल हेतु पहुँचने हेतु मार्ग, पेयजल की सुविधा व मोबाईल नेटवर्क की सुविधा उपलब्ध है।

6. उक्त स्थल के समुचित विकास हेतु निम्न प्रस्ताव विचारार्थ रखे जा रहे हैं :–

- रात्रि विश्रामगृह का निर्माण।
- होटल की व्यवस्था।
- प्रांगण में बगान की व्यवस्था।
- तालाब में बोटिंग की व्यवस्था।
- पेट्रोल पंप से देवी स्थल तक पक्की सड़क का निर्माण एवं पेयजल की सुविधा।

<u>निष्कर्ष एवं प्रस्ताव</u> :– **अतः जिला स्तरीय पर्यटन संवर्धन समिति (DTPC) के अनुशंसा के आलोक में राज्य स्तरीय पर्यटन संवर्धन समिति (STPC) निर्णय लेकर उक्त योजनाओं को कार्यान्वित कराने हेतु (DPR) विस्तृत कार्य योजना प्रतिवेदन तैयार कराने के संबंध में निर्णय ले सकती है एवं उक्त स्थल को "A" श्रेणी का पर्यटन स्थल घोषित कर सकती है।**

श्रेणी "B"

प्रखण्ड गोईलकेरा अन्तर्गत पर्यटन स्थल का विवरणी

क्र०सं०	नाम एवं एतिहासिक/धार्मिक	स्थानीय/राज्य के बाहर पर्यटको की	विभिन्न प्रकार के	रात्रि विश्राम हेतु विश्राम	पहुँच पथ/पेयजल/मो०	सामुचित विकास